युवा होस्टलों का निर्माण

6636. श्री ईश दत्त यादव :

श्री ईश्वरसिंह मोहनसिंह मंगरोला :

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि युवा होस्टलों का निर्माण किया जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान बनाए गए/चयन किए गए होस्टलों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि सांस्कृतिक महत्व वाले अनेक स्थानों पर युवा होस्टलों का निर्माण नहीं किया गया है ; और

(घ) सरकार की इस संबंध में क्या प्रतिक्रिया है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय युवा कार्यक्रम और खेल विभाग राज्य मंत्री (श्री मुकुल वासनिक) : (क) जी, हां ।

(ख) पिछले 3 वर्षों के दौरान बनाए गए/स्वीकृत किए गए होस्टलों के राज्य-वार ब्यौरे विवरण में संलग्न हैं (नीचे देखिये) :

(ग) जी, हां ।

(घ) सरकार, उपलब्ध बजट के अनुसार यथा संभव सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के स्थानों पर युवा होस्टल बनाने को इच्छुक है और इस संबंध में राज्य सरकारों से प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं जिन्हें इस प्रयोजनार्थ पूर्ण रूप से विकसित भूमि उपलब्ध करवानी होती है ।

विवरण

पिछले तीन वर्षों के दौरान निर्मित/स्वीकृत होस्टलों का ब्यौरा।

क्र. सं.	राज्य का नाम	पूरे हो चुके युवा छात्रावास			निर्माण हेतु अनुमोदित युवा छात्रावास		
		1992-93	1993-94	1994-95	1992-93	1993-94*	1994-95
1.	असम	गोलाघाट	—	—	—	—	—
2.	आन्ध्र प्रदेश	—	तिरुपति	—	—	—	नागार्जुन सागर
3.	बिहार	पटना	—	—	—	—	—
4.	हरियाणा	भिवानी	—	—	—	—	—
5.	हिमाचल प्रदेश	—	—	बिलासपुर	—	—	—
6.	जम्मू व कश्मीर	—	—	—	लेह	—	—
7.	मेघालय	टुरा	—	—	—	—	—
8.	उड़ीसा	—	जोशीपुर	—	—	—	—
9.	पंजाब	संगरूर	—	—	—	—	—
10.	राजस्थान	जोधपुर	—	—	—	—	—
11.	तमिलनाडु	—	थंजावूर	—	—	—	—
12.	त्रिपुरा	—	अगरतला	—	—	—	—

टिप्पणी :— *1993-94 में कोई नया छात्रावास स्वीकृत नहीं किया गया क्योंकि एन. डी. सी. ने योजना को राज्यों को स्थानान्तरित करने का आदेश दे दिया था । तत्पश्चात् योजना को केन्द्र सरकार के अंतर्गत रखने के लिए उक्त निर्णय पर पुनः विचार किया गया ।